हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, बुधवार 9 अप्रैल 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

झील महोत्सव में कुल 18 प्रकार के साहसिक खेल

मण्डला। बरगी बांध के समीप आयोजित किये जा रहे पंद्रह दिनों के झील महोत्सव में सुबह के समय साहसिक खेलों में शामिल होने वाले पर्यटकों को बुधवार 9 अप्रैल से आयोजकों द्वारा निःशुल्क चाय-नाश्ता उपलब्ध कराया जायेगा। यह निर्णय झील महोत्सव की आयोजक संस्था जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (जेएटीसीसी) द्वारा लिया गया है। जेएटीसीसी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत सिंह के मुताबिक 9 अप्रैल से पर्यटकों के लिए शुरू की जा रही सुविधा के तहत सुबह 7 बजे से सुबह 10 बजे तक साहसिक खेलों के प्रतिभागियों को टिकट के साथ निःशुल्क चाय, नाश्ता का कूपन दिया जाएगा। यह कूपन विशेष साहसिक खेलों पर ही प्रदान किये जायेंगे। निः शुल्क चाय नाश्ता के ये कूपन एक से अधिक साहसिक खेलों में शामिल होने वालों को भी दिये जायेंगे, लेकिन सभी खेलों की टिकिटों की कीमत कम से कम एक हजार रुपये होनी चाहिये। उन्होंने बताया कि साहसिक खेलों में शामिल होने सुबह झील महोत्सव कार्यक्रम में पहुँचने वाले पर्यटकों के लिए चाय, नाश्ता घर से कर के जाने की आवश्कता नहीं होगी। सीईओ हेमंत सिंह ने बताया कि यह निर्णय प्रतिदिन शाम को बड़ी संख्या में आ रहे प्रतिभागियों को देखते हुए लिया गया है। इस निर्णय से झील महोत्सव में शाम को होने वाले भीड़ में कमी आएगी और पर्यटक झील महोत्सव में सुबह भी जाकर साहसिक खेलों में भाग लेंगे। झील महोत्सव में कुल 18 प्रकार के साहसिक खेल प्रतिदिन हो रहे हैं। हजारों की संख्या में पर्यटक यहाँ पहुँच रहे हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में 8 एवं 9 अप्रैल की शाम राजस्थान के कलाकारों के द्वारा कालबेलिया और राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किये जायेंगे।

संस्था प्रमुखों की आज कलेक्टर लेंगे बैठक

निजी विद्यालयों पर लगेगी लगाम?

*** अशासकीय विद्यालयों की बैठक का आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पिछले काफी समय से जिले की निजी शालाओं में जिस तरह से पढ़ाई के नाम पर वसूली की जा रही है वह जगजाहिर है। गणवेश, पुस्तकें सहित अन्य सामग्रियों को लेकर अभिभावकों पर जो दबाव बनाये जाते रहे हैं क्या उनसे अब निजात मिलने वाली है। जिस तरह से किसी भी शाला की संबंधित सामग्री एक ही प्रतिष्ठान पर उपलब्ध होना और उसका मनमानी करना क्या इससे भी लोगों को छुटकारा मिलेगा यह इसलिये कहा जा रहा है कि आज कलेक्टर इन सभी मनमानी करने वाले विद्यालयों के प्रमुखों की एक बैठक लेने जा रहे हैं जिसमें सभी विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी।

मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 एवं शासन द्वारा समय-समय में जारी निर्देशों के पालन के संबंध में कलेक्टर की अध्यक्षता में दोपहर 1 बजे से जिला योजना भवन मण्डला में अशासकीय विद्यालयों की बैठक का आयोजन किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी निजी विद्यालयों को निर्देशित किया है कि समस्त प्रबंधक/प्राचार्य/प्रधानाध्यापक वांछित बैठक में विद्यालय में संचालित कक्षावार पुस्तकों की सूची (प्रकाशक एवं कीमत सहित) तथा विद्यालय में लगी बस/वेन/ऑटो की जानकारी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करें। बैठक में केवल संस्था प्रमुख/प्राचार्य की उपस्थिति मान्य होगी। बैठक में निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा शासन के निर्देशानुसार एनसीईआरटी/ एससीईआरटी की पुस्तकों को लागू करना, स्कूल में संलग्न बस/वेन/ऑटो की जानकारी, डीपीआई पोर्टल पर वर्ष 2025-26 की प्रस्तावित फीस संरचना मदवार पोर्टल पर अपलोड/प्रविष्टि करना, निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा छात्र या अभिभावकों को पुस्तकें, यूनिफार्म, टाई, जूते, कॉपी आदि खरीदने, स्कूल बैग पॉलिसी 2020 का पालन तथा छात्रवृत्ति एवं अपार आईडी की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। बैठक में इन विषयों पर भी चर्चा हो सकती है कि हमारे नौनिहालों की पीठ पर स्कूल बैग का वजन कितना होना चाहिये, क्या रोजाना सभी विषयों की पुस्तकें, सभी विषयों की कापियाँ, होमवर्क की कापियाँ एवं शाला में जो अन्य गतिविधियाँ समय-समय पर होती रहती हैं उनसे संबंधित सामग्री बैग में रखकर ले जाना आवश्यक है या फिर सप्ताह के अलग-अलग दिन के हिसाब से कापी, पुस्तकों एवं अन्य सामग्री का निर्धारण होगा ताकि जिस बोझ से ये छोटे बच्चे परेशान हैं इनसे उन्हें निजात मिल सके। सरकार ने तो पहले ही इस तरह के नियम निर्धारित कर रखे हैं कि निश्चित वजन से ज्यादा बच्चों का बैग न हो लेकिन शायद ही कोई विद्यालय इन नियमों का पालन करता नजर आ रहा हो इस पर भी क्या बैठक में चर्चा होगी।

क्रिकेटर शुचि उपाध्याय का इंडिया टीम में चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

बीसीसीआई ने कल श्रीलंका में होने वाले त्रिकोणी मुक़ाबले के लिये महिला भारतीय क्रिकेट टीम की घोषणा की जिसमे जबलपुर संभाग के मण्डला जिले की बालिका क्रिकेट खिलाड़ी शुचि उपाध्याय का चयन हुआ हैं, श्रीलंका के कोलम्बो में आयोजित इस टूर्नामेंट में शुचि उपाध्याय बातोर लेफ्ट आर्म स्पिनर शामिल रहे। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में भारतीय टीम 27 अप्रैल से 7 मई तक यह टूर्नामेंट कोलम्बो में खेलेगी।

विदित हो शुचि उपाध्याय इन दिनों देहरादून में नेशनल चैलेंजर ट्रॉफी खेल रही हैं। इसके पूर्व नेशनल सीनियर वुमेन टूर्नामनेट में सर्वाधिक विकेट प्राप्त करने पर प्लेयर ऑफ़ सीरीज रह चुकी हैं। मण्डला के रामलीला मैदान नाव घाट से गली क्रिकेट से अभ्यास करते हुए मण्डला के स्टेडियम ग्राउंड में मेकल अकैडमी से प्रैक्टिस करने वाली शुचि उपाध्याय ने मण्डला के युवा क्रिकेट प्लेयर्स के साथ ओपन टूर्नामेंट में अपनी फिरकी गेंदवाजी से लड़कों को मैदान से बाहर करने वाली इस बालिका क्रिकेटर को उनको कोच बसंत ठाकुर, इंद्रदेव डीसीए मण्डला के सचिव अजय मिश्रा, इम्तियाज अली, ज्ञानेंद्र झा, ललित जोशी, अनिल सोनी, अतुल गोहे, मनोज फिलस्पॉस, इंद्रदेव भारतीय, हितेंद्र झा, निशांत झा, सिद्धू सब्जी वाला, शिवांशु तिवारी, मनु दुबे, प्रांजल सिरसामङ्गसहित सभी खेल प्रेमियों ने शुचि सहित उपाध्याय परिवार को शुभकामनाएँ बधाई प्रेषित की।

जवारे विसर्जन कार्यक्रम में शामिल हुए कलेक्टर

मण्डला। जिले की सुप्रसिद्ध चौगान मढ़िया में चैत्र नवरात्र के अवसर पर रखे गए जवारे का मंगलवार को विसर्जन किया गया। विसर्जन कार्यक्रम में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से आत्मीय चर्चा की एवं उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विधायक निवास श्री चैनसिंह वरकड़े, पूर्व विधायक अशोक मर्सकोले सहित संबंधित उपस्थित थे।

नौ दिवसीय अखंड रामायण मानस पाठ का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

पिछले 10 दिनों से चल रही है अखंड रामायण मानस पाठ का आज समापन हुआ समापन पश्चात कन्या भोजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया कार्यक्रम में समस्त क्षेत्रवासी ग्रामवासियों ने भंडारा प्राप्त किया विगत 5 वर्षों से शिवनंदन सेवा समिति नौ दिवसीय अखंड रामायण पाठ एवं तीन सुंदर कांड पाठ का अनवरत पाठ किया जाता है इसमें हमारे समिति के 34 सदस्य सहयोग करते हैं।

शिवनंदन सेवा समिति अनेक आयाम पर काम कर रही है गणेश उत्सव, गांधी जयंती, क्रिकेट प्रतियोगिता, नेत्र ऑपरेशन, नेत्रदान शिविर, नर्मदा परिक्रमा वासियों की सेवा, अखंड रामायण मानस पाठ, नर्मदा जयंती महोत्सव ऐसे अनेक प्रकल्प शिवनन्दन सेवा समिति द्वारा चलाए जा रहे हैं जो 1994 से गतिमान है शिवनंदन सेवा समिति ने आज अपना नाम स्थापित किया है पिछले दिनों उत्तर वाहिनी परिक्रमा में शिवनन्दन सेवा समिति ने 150 परिक्रमा वासियों का जत्था अपने मार्गदर्शन में इस यात्रा में ले गई थी जिसने उतरवाहनी भव्य और दिव्य बनाने में सहयोग प्रदान किया था शिवनन्दन सेवा समिति के प्रेरणा स्रोत बाल योगी गोविंद दास जी महाराज वृंदावन वालों के आशीर्वाद से सारे प्रकल्प चल रहे हैं।

परिक्रमा | **चैत्र माह में लगातार जारी है उत्तरवाहिनी माँ नर्मदा परिक्रमा।**

परिवार सहित कर रहे उत्तरवाहिनी परिक्रमा

*** देश के विभिन्न राज्यों से आ रहे श्रद्धालुजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कल 08 अप्रैल मंगलवार को एकादशी के पावन पर्व पर मृदु किशोर कॉलोनी वासियों ने उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा करने का मन बनाया और परिवार सहित व्यास नारायण मंदिर में संकल्प के साथ परिक्रमा प्रारंभ की। कॉलोनियों वासियों ने एकता का परिचय देते हुए महिष्मति नगरी को यह संदेश दिया है कि जो भी व्यक्ति स्वास्थ्य के कारणों से पैदल उत्तर वाहिनी परिक्रमा नहीं कर सकते, वे टू व्हीलर के माध्यम से परिवार सहित माँ नर्मदा की उत्तर वाहिनी परिक्रमा कर सकते हैं। परिक्रमा करते समय सभी कॉलोनी वासी उत्साहित आनंदित और नर्मदा मैया की भक्ति में इतने लीन थे की राह में जो पथिक मिलते थे उनको भी उन्होंने मजबूर कर दिया कि भईया नर्मदे हर बोलते चलो यह रास्ता आम रास्ता नहीं है, यह तो साक्षात नर्मदा मैया का परिक्रमा पथ है पूरे गांव वालों ने भी टू व्हीलर वाली परिक्रमा को देखकर आश्चर्यचकित रह गए। यह बात तय है की जो भी प्राणी मैया जी की परिक्रमा करेगा पूर्ण लगन के साथ उसे मैया ऐसी परिक्रमा करायेगी कि वह जीवन भर अभीभूत होता रहेगा।

उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा में मृदु किशोर कॉलोनी के निवासियों द्वारा परिक्रमा की गई जिसमें मुख्य रूप से आरके सोनी, मधुर चौरसिया, दिनेश दुबे, कमल चौरसिया, अनिल पांडे, सविता कछवाहा, बॉबी रावत, माखी जानी, योगेश मिश्रा, ओम प्रकाश, गौतम, सुरेश चौधरी सपरिवार शामिल रहे।

खबर संक्षेप

साले ने कर दी जीजाजी की पिटाई

गाडरवारा। समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम लिलवानी निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरी पत्नी व मेरा बीते हुये कुछ दिनों से विवाद चल रहा है। इसी के चलते पत्नी अपने मायके ग्राम अमई में मेरे तीन साल के बेटे के साथ रहती है। बीते हुये दिवस जब प्रार्थी अपने बेटे को देखने के लिये अमई गया तो वहां पर बडे ससुर आजाद कोरव तथा साला आकाश कोरव व मंयक द्वारा एक राय होकर गंदी गंदी गालिया देते हुये कुल्हाडी व लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने जीजा की शिकायत पर आरोपी दोनों साले सहित बड़े ससुर के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

फाईनेंस महिला कर्मी के साथ मारपीट

गाडरवारा। फिनोवा फाईनेन्स कंपनी की महिला कर्मी द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि जब बीते हुये दिवस वह अपने पंचवटी कालोनी स्थित अपने किराये के मकान में दोस्त रितिक दुबे के साथ बैठी थी उस समय तेंदूखेड़ा निवासी योगेन्द्र विश्वकर्मा नामक युवक आया और जबरन घर के अंदर घुसकर बोला की तुम रितिक के साथ क्यों बैठी हो..। इसी बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी योगेन्द्र विश्वकर्मा के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

दांत से काटकर किया घायल

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कामती निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे ही मुहल्ले में रहने वाला संजू उर्फ संजय स्थापक आये दिन शराब पीकर उतपात मचाता रहता है। जिसको लेकर कई बार समझाने की बात को लेकर बुराई रखता है। बीते हुये जब में अपनी किसी काम से पिठहरा तरहा के पास गया था तो वहां पर संजू स्थापक द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये प्रार्थी को दांत से काटकर घायल कर दिया गया। वही जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

टाईगर ने धरमू के साथ मिलकर की मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिना शहर के मरघटा मोहल्ला विवेकानंद वार्ड निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैं ट्रेन मे चना फल्ली बेचने का काम करता हूँ । जब में बीते हुये दिवस अपने घर जा रहा था तो रेल्वे स्टेशन के पास गांधी वार्ड के रहने वाले धरमू चौधरी, टाइगर चौधरी एवं धारा चौधरी भी ट्रेन मे चना बेचने का काम करते है जो मुझसे कहते है कि तू ट्रेन मे चना फल्ली मत बेचा कर इसी बात पर से बुराई रखे है। और बीते हुये दिवस रेस्ट हाऊस के गेट के पास मुझे टाईगर चौधरी, धरमू चौधरी एवं धारा चौधरी मिले और मुझसे बोले कि तू ट्रेन मे चना फल्ली क्यो बेचता है। उसी समय तीनों ने एक राय होकर गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

शालाओं में रौनक की जगह बच्चों को लगातार बढ़ रहे तापमान से अभिभावक इस बात की चिंता में, कही शिक्षा विभाग का आदेश मासूमों की जिन्दगी को खतरे में न डाल दे..?

अप्रैल माह में चिलचिलाती धूप के बीच शुरू हुये नये शिक्षा सत्र के चलते परेशानियों से जूझते हुये नजर आ रहे है देश का भविष्य

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। प्रतिवर्ष देखा जाता है कि सही मायने में नये शिक्षा सत्र की शुरूआत 1 जुलाई से होती है। यह बात अलग है कि शासन द्वारा कुछ फेर बदल करते हुये इसकी शुरूआत भले ही इस साल 1 अप्रैल से कर दी गई है। मगर इसके बाद भी लोगों के दिलों में एक जुलाई घर करके बैठा हुआ है जिसके चलते बीते हुये 1 अप्रैल से नये शिक्षा सत्र की शुरूआत तो हो गई है। मगर इस समय सूर्यदेव जिस तरह आसमान से आग बरसा रहे है उसके चलते न तो स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई हो पा रही है और न ही शिक्षक पढ़ा पा रहे है। इस स्थिति में निश्चित तौर से शासन का 1 अप्रैल से नये शिक्षा सत्र शुरू करने की घोषणा मात्र औपचारिकता पूर्ण ही नजर आने से नही चूक पा रही है..? इस तरह शासन के आदेश पर 1 अप्रैल सोमवार से शुरू हुये नये शिक्षा सत्र के चलते इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के बीच जहां बच्चो को स्कूल आने जाने में परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर भीषण गर्मी के बीच शुरू हुये इस नये शिक्षा सत्र को लेकर अभिभावकों में भी अपने बच्चों को लेकर चिंता सता रही है..? क्योंकि अप्रैल माह के शुरूआत में ही जिस तरह सूरज देव आग उगलते हुय नजर आने के कारण चिलचिलाती धूम में बच्चों को स्कूल आने जाने में परेशान होना पड़ रहा है तो दूसरी ओर गौर किया जावे तो शिक्षण संस्थाओं में भी पढ़ाई के नाम पर मात्र औपचारिकता निभाते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि सुबह 10 बजे से ही सूरज की तपन के बीच जब क्लासों में बच्चे बैठते है तो पंखों से निकलने वाली गर्म हवा से वह बेहाल होने से नही चूक पाते है। वही अनेक स्कूलों की स्थिति इस तरह बनी हुई है कि एक छोटे से कमरे में संचालित होने वाली क्लासों में जरूरत से ज्यादा बच्चें होने के कारण उन्हें हवा नही मिलने के कारण बच्चें पसीना पसीना होकर बेहाल होने से नही बच पा रहे है। इसी प्रकार का हाल दोपहर के समय जब स्कूलों से इन बच्चों की छुट्टी होती है तो तेज तपन के बीच बच्चों को घर पहुंचना मुश्किलों से खाली नही है। क्योंकि तेज धूप के बीच स्कूल से अपने घर आने में मासूमों के अभिभावकों को इस बात का डर सताने से नही चूक रहा है कि कही उनका बच्चों लू का शिकार न हो जावे..? यह बात जरूर है कि शासन द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा सवर्धन अभियान में इन स्कूली बच्चों का जरूर उपयोग होते हुये देखा जा रहा है। कही ऐसा तो सरकार द्वारा शुरू किये गये जल गंगा सवर्धन अभियान को ही सफल बनाने के लिये नये शिक्षा सत्र की शुरूआत की गई हो...? खैर सच्चाई जो भी हो मगर देखा जा रहा है कि नये शिक्षा सत्र को शुरू हुये 9 दिन का समय बीत चुका है और स्कूलों में पढ़ाई होते हुये दिखाई नही पड़ रही है। यह बात जरूर है कि इस समय प्रशासन द्वारा जल गंगाा सवर्धन अभियान को लेकर आयोजित की जाने वाली रैलियों में जरूर इन स्कूली बच्चों को भाग लेते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर बीते हुये एक अप्रैल से शुरू हुये निजी व शासकीय शिक्षण संस्थाओं में नये सत्र के दौरान पुस्तकों सहित अन्य स्कूली सामग्री की दुकानों पर भीड़ उमड़ने की शुरूआत हो चुकी है। वही दूसरी ओर निजी शिक्षण संस्थाओं में गर्मी के चलते बच्चों को पढ़ाई होने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। यह बात जरूर है कि निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा एक माह स्कूल संचालित किये जाने के नाम पर छात्र छात्राओं से फीस बसूल करने में कोई कसर नही छोडेगे। इस तरह शिक्षा विभाग द्वारा अप्रैल माह में नया शिक्षा सत्र शुरू करने के निर्णय को लेकर अभिभावकों में जहां आक्रोश देखने मिल रहा है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नये शिक्षा सत्र की शुरूआत होने के चलते अभिभावकों को आर्थित बोझ का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि उनके बच्चें स्कूल शुरू होने की बात को लेकर अपने माता पिता पर पुस्तके सहित अन्य सामग्री खरीदने का दवाव बनाये जाने के कारण पुस्तकों की दुकानों पर भीड़ लगते हुये दिखाई देना शुरू हो चुकी है। क्योंकि नया शिक्षा सत्र शुरू होने से शाला में पढ़ने जाने वाला कोई मासूम बच्चा अपने पापा से स्कूल की ड्रेस, रंगीन छाता, किताबे, कापियां, टिफिन बाक्स, कम्पास दिलाने की हठ करते हुये देखे जा रहे है तो कोई मासूम बच्चा अपनी मॉ से फरमाईश कर रहा था कि स्कूल जाने के पहले उसके टिफिन बाक्स में रोज बदलकर खाने की नई चीजें रखी जाएँ। इस प्रकार से घरो में आलम यह देखने मिल रहा है कि बच्चों के बेहतर भविष्य के खातिर भीषण महॅगाई से जंग लड़ रहे अभिभावक बच्चो की हर फर माईश पूरी करने की व्यवस्थाओं में जुटे हुये नजर आने से नही चूक रहे है। इस तरह नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होने के चलते पुस्तक विक्रेताओं की दुकानो पर अभिभावको की भीड़ बढ़नें लगी है और नयी शालेय सामग्री बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करने लगी है। वही पुस्तक विक्रेताओं का कहना है कि इस वर्ष किताबे, कापियों तथा बच्चो के उपयोगी अन्य सामान की कीमतो में खास ईजाफा नही हुआ है तथा उनकी ओर से यह कोशिश की जा रही है कि बच्चो को एक ही बार में कोर्स की सारी किताबे उपलब्ध करायी जाएँ। वही दूसरी ओर शालाओं में नया शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के बावजूद शिक्षा व्यवस्था सम्बंधी अनेक कमियॉ रह गयी है? क्योंकि नगर की चमकती, दमकती अशासकीय शालाओं में फीस वृद्धि, डोनेशन वसूली का खेल जारी है। वही दूसरी ओर स्कूल चले हम अभियान की आशा जनक सफलता न होने की वजह से गरीब परिवारो के बहुत से बच्चे शिक्षा हासिल करने से वंचित रहते हुए जान पड़ रहे है? यह बात अलग है कि सरकार द्वारा शुरू किये गये स्कूल चले हम अभियान भी मात्र औपचारिकता पूर्ण दिखाई देने से नही चूक रहा है...? शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से अनेक प्रकार के अभियान चलाते हुए बच्चों को शिक्षा की ओर रूख करने के लिए प्रयास किये गये है। मगर जब अनेक बच्चों को स्कूली पुस्तकों की जगह जहां तहां कबाड़ बीनते हुए देखा जाता है तो शासन द्वारा चलाई जाने वाली सभी योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है..? सच्चाई पर गौर किया जावे तो आज भी अनेक बच्चें इस प्रकार से मिल सकते है जिन्हें शायद पता ही नही होगा कि नया शिक्षा सत्र शुरू हो चुका है जिसके चलते सबाल यह पैदा हो रहा है कि इस स्थिति में आखिर में किस प्रकार से सफल हुआ स्कूल चले हम अभियान...? नगर की शासकीय प्राथमिक शालाओ की दुर्दशा पर भी ध्यान नहीं दिया गया है, जिसके चलते अनेक शासकीय शालाएं जहां खंडहर में तब्दील होते हुए नजर आ रही है, जिनमें सांप गुहरे आराम फरमा रहे है तो कुछ शालाओं में रात के समय होने वाली शराब खोरी के चलते शराब की बोतले पड़ी हुई नजर आने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर अनेक शासकीय स्कूल अतिक्रमण में चपेट में देखे जा रहे है। इस तरह बीते हुये 1 अप्रैल से नए शिक्षा सत्र के आगाज होने पर अभिभावको ने मॉग की है कि शहर की शासकीय शालाओं में पर्याप्त शिक्षक रखे जाएँ तथा जो शिक्षक अकर्मण्य और नशा करने के आदी है उन्हे हटाया जाए तथा शालाओं के आस पास के अतिक्रमण हटाये जाए, स्कूलो के खेल कूद के मैदानो को व्यवास्थित स्वरूप दिया जावे।

दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में फैल रही गंदगी बता रही नगर विकास की सच्चाई, शासन के स्वच्छता सर्वेक्षण पर खड़े हुये सवाल..

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस तरह नगर परिषद सांईखेड़ा को अपने अस्तिव में आने के बाद यह दूसरा कार्यकाल चल रहा है। वही दूसरी ओर पहले व दूसरे कार्यकाल को लोग इस नगर के इतिहास के पन्नों में दर्ज करने से नही चूक पायेगे..? क्योंकि नगर पंचायत से बढ़कर इस नगरी को नगर परिषद का दर्जा मिलने के चलते अब यह नगर के रूप में पहुंचाने जाने लगी है। मगर जनप्रतिनिधियों की अनदेखी कही जावे या फिर नगर परिषद के अधिकारियों की मनमानी का परिणाम दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा के लोगों को जिस तरह परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है उसके चलते वह अपने आपकों गांवों से भी बुरी स्थिति में जीवन व्यतीत करते हुये देखे जा रहे है। यह बात अलग है कि नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों द्वारा अपनी सफलताओं के नाम पर नेताओं की मंचों से लेकर सरकारी अधिकारियों के समक्ष वाही वाही लूटने का मौका नही छोड़ते है। नगर के अंदर की सच्चाई नगर में करोड़ो रूपया खर्च किये जाने के बाद हुये विकास कार्यो पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? वैसे भी देखा जावे तो जिस तरह लोगों द्वारा नवरात्र के दौरान शहरों की बात तो दूर गांवों की सड़को को भी साफ सुधरा कराने से नही चूकते है। मगर इस नगर के लोगों का दुर्भाग्य है कि देवी मंदिर से लेकर अन्य मंदिरों की ओर महिलाओं को जल ढारने के लिये पहुंचने वाले मार्गो पर भी जिस तरह गंदी नालियों का पानी के बीच निकलते हुये देखा गया वह इस नगर के इतिहास के पन्नों में दर्ज होने से नही चूक पायेगा..? इतना ही नही इस समय में नगर परिषद के पास साफ सफाई करने के लिये एक बड़ी फौज खड़ी हुई है तो दूसरी ओर शासन द्वारा प्रदान की गई राशि से नगर परिषद द्वारा अनेक वाहनों की खरीदी भी की गई है। मगर वह सब मात्र शोभा की सुपारी बनकर रह चुके है और दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में चारों ओर गंदगी का आलम दिखाई देने से नही चूक रहा है..? बारिश के दिनों की बात तो दूर इस समय चल रही गर्मी के मौसम में नगर की सड़को पर जिस तरह गंदा पानी बहते हुये दिखाई दे रहा है उसके चलते वर्षो पुरानी यादों को ताजा करने से नही चूक रहा है। वही दूसरी ओर बीते हुये नवरात्र के दौरान जिस तरह से नगर परिषद सांईखेड़ा की सड़को की सच्चाई के नजारे देखने मिले है वह निश्चित तौर से नगर परिषद के अधिकारियों की भूमिका का कटघरे में खड़ा करने से नही चूक रही है..? क्योंकि मातारानी के मंदिरों सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर जल ढारने के लिये जाने वाले लोगों को भी इस गंदगी के बीच से निकलकर जाने के लिये मजबूर होते हुये देखा गया है। इस तरह नगर के जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारियों की इस उदासीनता पूर्ण मनमानी को शायद ही माता रानी कभी माफ कर पायेगी..? इतना ही नही नगर में फैल रही गंदगी के चलते सरकार द्वारा जिस तरह अपना स्वच्छता अभियान चलाते हुये नगर विकास के नाम पर हर साल करोड़ो रूपया खर्च करते हुये स्वच्छता सर्वेक्षण चलाया जा रहा है उस पर भी ग्रहण लगने से नही चूक रहा है..? वही दूसरी ओर दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में बीते हुये कुछ वर्षो से अब तक चलाये गये स्वच्छता सवेक्षण के नाम पर खर्च की गई राशि की यदि निष्ठा के साथ जांच होती है तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी और अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधि बेनकाब होने से नही बच पायेगे..? नगर की सच्चाई को देखते हुये तो यह जान पड़ने से नही चूक रहा है कि शासन की राशि खर्च करते हुये नगर परिषद द्वारा सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण मुहिम को मात्र कागजों पर चलाते हुये वाही वाही लूटने के आलवा कुछ नही है..? इस तरह बदहाली की शिकार हो रहे नगर सांईखेड़ा में इस समय फैल रही गंदगी का आलम इस तरह से बना हुआ है कि जहां स्वच्छता सर्वेक्षण पर सबाल तो खड़े कर ही रहा है तो दूसरी ओर यहां पर अनेक प्रकार के मच्छर सहित गदंगी के चलते पैदा होने वाले कीटों से नगर में महामारी फैलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..?

गर्वित वेयर हाऊस केन्द्र पर शुरू हुआ गेंहू उपार्जन का कार्य

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। किसानों की गेंहू फसल को शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिये अलग अलग जगहों पर केन्द्रो की स्थापना की गई जिसके चलते जहां अनेक केन्द्रो पर खरीदी का कार्य शुरू हो चुका है तो जिन केन्द्रो पर खरीदी शुरू नही हुई है उनका शुरू होते हुये चली जा रही है। इसी प्रकार से सालीचौका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सेवा सहकारी समिति बसुरिया द्वारा जिन किसानों का समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदा जावेगा उसके लिये शासन द्वारा पीठवानी रोड स्थित गर्वित बेयर हाऊस पर निर्धारित किया गया है। इसी के चलते बीते हुये मंगलवार को इस केन्द्र पर पूर्ण विधि विधान के साथ क्षेत्र के किसानों के गेंहू के खरीद का कार्य शुरू किया गया। बताया जाता है कि इस मौके पर सेवा सहकारी समिति वेयर हाऊस मालिक नवल राय, समिति प्रबंधक सतीश सोनी ने अपना गेंहू विक्रय करने के लिये आये हुये किसान भाईयों का तिलक लगाने के साथ माला पहनाते हुये स्वागत किया गया। वही दूसरी ओर क्षेत्र के कृषकों की मौजूदगी में तौल काटे का हर साल भी भांति पूजन करते हुये खरीदी कार्य का शुभारंभ होने के चलते समिति प्रबंधक द्वारा क्षेत्र के किसान भाईयों से अपेक्षा जताई गई है कि वह अपना गेंहू समय पर विक्रय हेतु लेकर आये जिससे तौल में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े तथा शासन द्वारा शीघ्रता से भुगतान किया जा सके।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत एनसीआई हाई स्कूल के बच्चों ने रैली निकालते हुये दिया जल संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। बीते हुये दिवस बसुरिया एनसीआई हाई स्कूल के बच्चों द्वारा जल संरक्षण को लेकर रैली निकालते हुये लोगों को जल के महत्व से अवगत कराते हुये लोगों को जागरूक किया गया। बताया जाता है कि बीते हुये दिवस बसुरिया गांव में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रारम्भ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के अन्तर्गत मंगवालर को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद वि. ख. चीचली जिला द्वारा सेक्टर 2 बसुरिया में जिला समन्वयक जयनारायण शर्मा एवं वि.ख. समन्वयक सुश्री स्मिता ढांड़े के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया द्वारा ग्राम के **NCI** हाई स्कूल बसुरिया के समन्वय से जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रैली निकाली गई। बताया जाता है कि इस रैली में स्कूली बच्चों सहित शिक्षण संस्था के सभी शिक्षक , शिक्षिकाओं ने ग्राम में भ्रमण करते लोगों के जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान एनसीआई स्कूल संचालक राजेन्द्र परिहार द्वारा जल संसाधन, जल संवर्धन व जल संरक्षण को लेकर बताया कि हम अपने बुर्जुगों से सुनते थे कि पानी कुओं, तालाबों तथा नदियों में बारह माह उपलब्ध होता था। मगर लगातार हो रहे जल के दोहन तथा प्रकृति के साथ छेड़छाड का परिणाम है कि जमीन के नीचे जल स्तर नीचे की ओर जा रहा है। इसी प्रकार से स्कूल प्राचार्य धनराज विश्वकर्मा ने बताया कि समय रहते हुये यदि हमने जल की बर्बादी को रोकते हुये उसके महत्व को समझा नही गया तो वाला समय बहुत भयावह रूप लेगा। इसी मौके पर गौ सेवक किसान नेता लीलाधर वर्मा ने कहा कि इस तरह से जल गंगा संवर्धन को सुचारू रूप से चलना चाहिए। वही हरदौल संस्था सचिव रामेश्वर वर्मा ने शाला परिवार एवं उपस्थित जनों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर शिक्षक कवि पुरुषोतम मुख्तियार, स्कूल संचालक राजेंद्र परिहार, सुरेश वर्मा, धनराज विश्वकर्मा प्राचार्य , लीलाधर वर्मा गौ सेवक, दुर्गेश पटेल, राम सर,ब्रजेश सर, नवांकुर संस्था जन शक्ति सेवा समिति अध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत , हरदौल जन सेवा समिति सचिव रामेश्वर वर्मा, कवि संतोष अग्रवाल सागर, ओ.पी. वर्मा, अभिषेक पटेल छोटी बाबई ,पुखराज राजपूत सहित अन्य लोग मौजूद थें।

आजाद वार्ड में चल रहे रामलीला के आयोजन में उमड़ रही भीड़, भगवान के स्मरण से भाव विभोर हो रहे लोग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भले ही चल रहे भौतिक वादी दौर में लोगों द्वारा मंचों पर आयोजित होने वाले धार्मिक नाटकों को भुला दिया गया है। मगर जब भी इस तरह नाटक व रामलीला के आयोजन होते है तो लोग सीधे ईश्वर से जूडने में पीछे नही रहते है। कुछ इसी प्रकार से नगर के आजाद वार्ड में चल रहे रामलीला के आयोजन में देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि बाहर से आई हुई रामलीला मंडली द्वारा जिस तरह से राम लीला की प्रस्तुति दी जा रही है उसके चलते लोगों की यादे पुराने आयोजनो को लेकर जाती होने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर इस रामलीला के देखने के लिये नगर सहित बाहर से लोगों की भीड़ उमडते हुये देखी जा रही है। बताया जाता है कि नगर के आजाद वार्ड की यशोदा नगर कॉलोनी के पार्क में बीते हुये 1 अप्रैल से आज 9 अप्रैल तक चल रही श्री सीताराम धर्म प्रचारक रामलीला मंडल काशी प्रयागराज के द्वारा भव्य रामलीला मंचन किया जा रहा है। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष पंडित शिवाकांत मिश्रा द्वारा पहुंचकर जहां भगवान श्रीराम, माता सीताजी सहित लक्ष्मण का पूजन अर्चन करते हुये आर्शीवाद ग्रहण किया गया। वही दूसरी ओर नगर में रामलीला मंचन करने के लिये उत्तर प्रदेश से आई हुई मंडली को नगर में इस आयोजन की प्रस्तुति देने पर खुशी जाहिर करते हुये हर संभव मदद करने का भरोसा दिया गया। उक्त अवसर पर आजाद वार्ड पार्षद राजकुमारी/ सतीश कौरव, वरिष्ठ भाजपा नेता घनश्याम राजपूत, अशोक सराठे, बबलू काबरा, पार्षद सभापति आनंद दुबे, पार्षद सभापति सुरेंद्र गुर्जर, अरूण बड़कुर, पूर्व मंडल महामंत्री शैलेष पटेल, देवेन्द्र गुड्डू शर्मा, आदित्य शर्मा सहित वार्ड के अनेक लोग मौजूद थें। इस तरह चल रहे रामलीला मंचन में प्रतिदिन देखा जा रहा है कि जहां नगर के लोग पहुंचकर भगवान राम की कथा का आनंद ले रहे हे तो दूसरी ओर गांवों के लोग पहुंचने से भी नही चूक रहे है।

मित्र बनाने में पुराई नहीं मगर मित्रता कृष्ण सुदामा जैसी होना चाहिये- पं. वीरेन्द्र शास्त्री

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा। समीपस्थ ग्राम सूखाखैरी परिवार द्वारा आयोजित किये गये संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा व ज्ञान यज्ञ का समापन जिस दिवस पर कथा वाचक वीरेन्द्र शास्त्री द्वारा भगवान श्रीकृष्ण व सुदामा जी की मित्रता का वर्णन बडे ही मार्मिक तरीके से सुनाते हुये भाव विभोर कर दिया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि संसार में सुदामा-कृष्ण के सबसे अनोखे भक्त रहे हैं। क्योंकि सुदाम जी जीवन में जितने गरीब नजर आते थें मगर उतने वे मन से धनवान थे। शास्त्री जी ने सुदामा चरित्र का बखान करते हुए कहा कि संसार में मित्रता भगवान श्रीकृष्ण-सुदामा की तरह होनी चाहिए। वर्तमान समय में स्वार्थ के लिए लोग एक-दूसरे के साथ दोस्ती करते हैं, जिसके बाद कार्य निकल जाने पर एक-दूसरे को भूल जाते हैं। वही मित्रता नही होती है वह स्वार्थ होता है। इसलिए अपने छोटे से जीवन में प्राणी को परमात्मा से रिश्ता जरूर बनाना चाहिए। क्योंकि परमात्मा से ही बना रिस्ता प्राणी को मोक्ष की तरफ ले जाएगा। साथ ही उसके जीवन में आने वाले सभी कष्ट भी आसानी से दूर हो जाएंगे। महाराज ने कथा में कहा कि सुदामा ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सखा श्रीकृष्ण का चिंतन और स्मरण नहीं छोड़ा। ऐसे में श्रीकृष्ण की कृपा उनके ऊपर हो गई। क्योंकि एक सच्चा मित्र जरूर बनाना चाहिए जो विपरीत परिस्थितियों में भी साथ दे सके। भगवान श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता से हर किसी को सीख लेनी चाहिए। जब सुदामा भगवान श्रीकृष्ण से मिलने आए तो उन्होंने सुदामा के फटे कपड़े नहीं देखे। बल्कि मित्र की भावनाओं को देखा गया था। मनुष्य को अपना कर्म नहीं भूलना चाहिए। सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए वीरेन्द्र शास्त्री जी ने कहा कि सुदामा अपनी पत्नी के आग्रह पर अपने मित्र (सखा) से मिलने के लिए द्वारिका पहुंचे। उन्होंने सुदामा द्वारिकाधीश के महल का पता पूछा और महल की ओर बढ़ने लगे मगर मुख्य द्वार पर पेहरा दे रहे द्वारपालों ने सुदामा को भिक्षा मांगने वाला समझकर रोक दिया। तब उन्होंने कहा कि वह कृष्ण के मित्र हैं। इस पर द्वारपाल महल में गए और प्रभु से कहा कि कोई उनसे मिलने आया है।अपना नाम सुदामा बता रहा है। जैसे ही द्वारपाल के मुंह से उन्होंने सुदामा का नाम सुना प्रभु सुदामा सुदामा कहते हुए तेजी से द्वार की तरफ भागे सामने सुदामा सखा को देखकर उन्होंने उसे अपने सीने से लगा लिया। सुदामा ने भी कन्हैया कन्हैया कहकर उन्हें गले लगाया और सुदामा को अपने महल में ले गए ओर उनका अभिनंदन किया। इस तरह कथा वाचक वीरेन्द्र शास्त्री तेंदूखेडा छोटा वालों ने इन

7 दिनों तक भगवान श्रीकृष्ण के वात्सल्य प्रेम, असीम प्रेम के अलावा उनके द्वारा किए गए विभिन्न लीलाओं का वर्णन कर वर्तमान समय में समाज में व्याप्त अत्याचार, अनाचार, कटुता, व्यभिचार को दूर कर सुंदर समाज निर्माण के लिए युवाओं को प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने कथा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि श्रीकृष्ण और सुदामा जैसी मित्रता आज कहां है। भगवान श्रीकृष्ण व सुदामा जी का मिलन देख वहां लोग यह समझ ही नहीं पाए कि आखिर सुदामा में ऐसा क्या है जो भगवान दौड़े दौड़े चले आए। बचपन के मित्र को गले लगाकर भगवान श्रीकृष्ण उन्हें राजमहल के अंदर ले गए और अपने सिंहासन पर बैठाकर स्वयं अपने हाथों से उनके पांव पखारे। कहा कि सुदामा से भगवान ने मित्रता का धर्म निभाया और दुनिया के सामने यह संदेश दिया कि जिसके पास प्रेम धन है वह निर्धन नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत से जीव में भक्ति, ज्ञान एवं वैराग्य के भाव उत्पन्न होते हैं। इसके श्रवण मात्र से ही व्यक्ति के पाप पुण्य में बदल जाते हैं। विचारों में बदलाव होने पर व्यक्ति के आचरण में भी स्वयं बदलाव हो जाता है। वहीं अन्य ग्रन्थ मनुष्य को जीवन जीने की कला सिखाते हैं और श्रीमद् भागवत कथा मनुष्य को मरना सिखाती है। इस तरह लगातार सात दिनों तक चले इस आयोजन का समापन हवन के साथ हुआ। वही आज विशाल भंडारे का आयोजन किया जावेगा।

गर्मी के मौसम में इस बार आधुनिक नजर आयेंगे देशी फ्रिज

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। प्रचंड गर्मी के मौसम में कंठों की प्यास बुझाने के लिए आमतौर पर शहरवासी मटकों के पानी का उपयोग करते है। हालत यह है कि हर साल महाशिवरात्रि पर्व बीतने के बाद बाजारों में मटकों की रेंज सजी दिखायी पड़ती है और होली तक तो देशी फ्रिज कहलाने वाले मटकों की मांग में इजाफा हो जाता है। मगर इस साल गर्मी देरी से आने के चलते कुम्हारों के मटकों की कुछ दिनों तक पूछ परख कम रही। मगर अब गर्मी द्वारा अचानक अपना प्रचंण रूप दिखाना शुरू कर दिया गया है। यही कारण है कि शहर के कुंभकारों ने काफी दिन पहले से ही इन मटकों को आकार देकर उनका संग्रह करना शुरू कर दिया था। कामथ वार्ड के कुंभकार परिवार के युवा सदस्यो ने हरिभूमि को बताया है कि हमारे परिवार में पीढ़ियों से मिट्टी के पात्र बनानें का काम होता चला आया है। हमारे हुनर का कमाल है कि जब हम गर्मी के मौसम में हजारों लोंगो की प्यास बुझाने वाले मटकों का निर्माण करते है तो मिट्टी बोलने लगती है तथा उन्हे भरोसा दिलाने लगती है गर्मी के मौसम में उनकी आजीविका अच्छी तरह चलेगी, उन्होंने बताया कि फिलहाल आकर्षक मटके तैयार करने के लिए उन्हे मिट्टी, लकड़ी मिल रही है पर उन्होंने अपना धंधा लाभप्रद बनाने इस वर्ष नया प्रयोग करते हुए आधुनिक डिजाईन के ऐसे मटके निर्मित किये गये है जिनका रूप रंग देखकर इस गर्मी में गरीब, अमीर आश्चर्यचकित रह जाएंगे, रेत के ढेर पर रखने के बाद इन मटकों का पानी फ्रिज के पानी की तरह अत्याधिक ठंडा हो जाएगा। इस तरह गर्मी के मौसम में प्यासों की आत्मा तृप्त करना अपना धर्म बताते हुए नगर के कुम्भकारों का कहना है कि हमारा धंधा साधन हीनता का शिकार होता चला जा रहा है। शासन प्रशासन कुम्भकारों की सुध नही ले रहा है और अभी तक हम कुम्भकारों का संगठन न बनने से कुंभकारो को अपने हक के लिए आवाज नही उठ पा रहे है।

खबर संक्षेप

डॉ. सुरेशचन्द्र राय ने सीएमएचओ का पदभार किया ग्रहण

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने वर्तमान में स्वास्थ्य विभाग की कार्यालयीन कार्य व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुरेशचन्द्र राय को आगामी आदेश तक के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनूपपुर का कार्यभार सौंपा गया। जिसके बाद तत्काल ही डॉ. सुरेशचन्द्र राय ने 5 अप्रैल शनिवार की दोपहर कार्यालय पहुंचकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनूपपुर का पदभार ग्रहण किया। जानकारी के अनुसार कलेक्टर द्वारा आदेश क्रमांक 187/ स्था./ तीन-एक /2025 दिनांक 5 अप्रैल को जारी करते हुए बताया कि कार्यालयीन आदेश क्रमांक 6589 स्था. तीन-एक2024, दिनांक 28 दिसम्बर 2024 के द्वारा डॉ. आर.के. वर्मा प्रमुख खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोतमा को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनूपपुर का कार्य भार सौंपा गया था। वर्तमान में स्वास्थ्य विभाग की कार्यालयीन कार्य व्यवस्था के दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ चिकित्सक अनूपपुर डॉ. सुरेशचन्द्र राय को आगामी आदेश तक के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनूपपुर का कार्यभार सौंपा गया है। जहां उक्त आदेश के बाद डॉ.एस.सी. राय ने सीएमएचओ का पदभार ग्रहण कर लिया है।

प्रचंड गर्मी के मद्देनजर स्कूलों के समय में परिवर्तनन

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा ग्रीष्म ऋतु के दौरान वर्तमान समय में तापमान में वृद्धि होने से छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की दृष्टि से जिले में संचालित कक्षा नर्सरी से 12 वीं तक की समस्त शासकीय, अशासकीय, नवोदय, सीबीएसई शैक्षणिक संस्थाओं के संचालन का समय परिवर्तित कर प्रातः 7.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक नियत किया गया है। मूल्यांकन कार्य अपने यथावत समय पर संपादित होंगे।

चैत्र नवरात्रि के समापन पर निकाला गया जवारा जुलूस

कोतमा। चैत्र नवरात्रि के समापन पर सोमवार को नगर के मंदिर एवं मढिया से माता के जयकारों के बीच जवारा जुलूस निकाला गया जिसमें भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा।

कलेक्टर कार्यालय ने सौंपा जाँच का जिम्मा, जिसके ख़िलाफ़ आरोप वही करेगा स्वयं की जाँच

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी।प्रभारी डी.पी.एम, विकास खंड प्रबंधक डिंडोरी, विकास खंड प्रबंधक करंजिया, विकासखंड प्रबंधक बजाग व समनापुर के विरूद्ध प्रावधानों के विपरीत जाकर नियमविरूध तरीक़े से राशि व्यय व महँगी दर पर ख़रीदे अनुपयोगी उपकरण की जाँच कर उक्त अधिकारी कर्मचारियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने अधिवक्ता सम्यक जैन ने 28/03/2025 को कलेक्टर डिंडोरी को विधि संगत कार्यवाही के साथ साथ प्राथमिकी दर्ज कराने पत्र लिखा था जिस तारतम्य में कार्यवाही करते हुए कलेक्टर कार्यालय ने एनआरएलएम को ही ख़ुद पर लगे आरोप की जाँच करने निर्देशित कर दिया । बता दें कि मध्यप्रदेश राज्य आजीविका मिशन के तहत डिंडोरी ज़िले में गठित महिला स्व-सहायता समूह के लिये कोदो-कुटकी से कुकीज बनाने की मशीनें कुकीज मेकिंग यूनिट, आजीविका एक्सप्रेस, मिनी आयल मिल यूनिट, माल वाहक पिकअप, ई-रिक्शा, टीवी, सौर ऊर्जा उपकरण, दीदी कैफ़े व अन्य ख़रीदी में बरती गई वित्तीय अनियमितता और धोखाधड़ी कर समूह को आर्थिक क्षति पहुंचाने के लिये व महिला स्व-सहायता समूह को आर्थिक क्षति पहुंचाने और प्रशासन की छवि धूमिल करने के लिए जिला एवम जनपद स्तरीय अमले द्वारा जमकर शासन की राशि का दुरुपयोग किया गया है।

इनका कहना है

ज़िला कलेक्टर को पत्र संबोधित किया था आश्चर्य की बात है जिसके ख़िलाफ़ आरोप लगे है वे स्वयं अपनी जाँच करेंगे। आप इसकी क्रोनोलॉजी समझिए आख़िर कब तक यह तमाशा चलता रहेगा। जाँच पे जाँच, रिपोर्ट पे रिपोर्ट। यह क़वायद किसको बचाने की कर रहे है? अपराधियों को सरंक्षण देना भी अपराध है। कवर अप की कांस्पीरेसी की भागीदारी नहीं बनना चाहिए अनियमितता के विरुद्ध उक्त अधिकारी/ कर्मचारियों के ख़िलाफ़ कार्यवाही होनी चाहिए।

-एड. सम्यक जैन

स्व-सहायता समूह की महिलाओं का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन: कलेक्टर से मुलाकात के बाद खत्म हुआ आक्रोश

किसने भड़काया समूह की महिलाओं को..?

कार्रवाई के डर से अधिकारियों ने तो नहीं लिखी प्रदर्शन की पटकथा...?

न्यूज।

आजीविका मिशन में विभिन्न गतिविधियों के नाम पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी किए जाने का मामला सामने आया है, अनियमितताओं की जांच करने हेतु कलेक्टर नेहा मारव्या ने टीम गठित की है, जिससे क्रियान्वय में गड़बड़ी करने वाले जिम्मेदारों की धड़कने बढ़ी हुई है। मंगलवार को समूह की महिलाओं ने अचानक विरोध प्रदर्शन करते हुए कलेक्टर के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगी, समूह की महिलाएं कह रही थीं कि हमारा समूह फर्जी नहीं हैं.. हमारे अधिकारी अच्छे हैं..? सूत्रों की माने तो विरोध प्रदर्शन के पीछे कथित तौर एक महिला जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत के कुछ अधिकारी, सहित आजीविका मिशन के घोटालेबाजो की भूमिका बताई जा रही हैं..?

मंगलवार शाम डिंडोरी जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर उस समय हंगामेदार हो गया जब स्व सहायता समूहों से जुड़ी सैकड़ों महिलाओं ने अचानक नारेबाजी शुरू कर दी। महिलाएं "कलेक्टर मैडम बाहर आओ" जैसे नारों के साथ विरोध जताने लगीं। करीब एक घंटे तक चली इस हलचल के बाद महिलाओं का प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर से मिला और मामला शांत हुआ।

- पूरा मामलाः क्यों पहुंचीं महिलाएं कलेक्ट्रेट

मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के परियोजना अधिकारी द्वारा जिले के सभी सात विकासखंडों के ब्लॉक मैनेजरों (बीएम) को निर्देशित किया गया था कि वे अपने-अपने विकासखंडों से स्व सहायता समूह की महिलाओं को आवश्यक

दस्तावेजों (आधार कार्ड, समूह रजिस्ट्रेशन आदि) के साथ बैठक हेतु कलेक्ट्रेट आर्टिटोरियम में भेजें। आदेशानुसार बड़ी संख्या में महिलाएं सुबह 11 बजे से ही वहां पहुंच गई थीं। इनमें अधिकांश महिलाएं समनापुर, बजाग, शहपुरा, मेहंदवानी और अमरपुर जैसे दूरदराज के क्षेत्रों से थीं। वे अपने दैनिक कार्य छोड़कर बैठक के उद्देश्य से उपस्थित हुई थीं।

- महिलाओं का ग़ुस्सा क्यों भड़का

शाम लगभग साढ़े चार बजे कलेक्टर नेहा मारव्या बैठक में पहुंचीं। उन्होंने मंच से उपस्थित महिलाओं से दस्तावेज दिखाने को कहा। कुछ महिलाएं दस्तावेज नहीं ला सकीं, जिस पर कलेक्टर ने कहा कि "जब सभी दस्तावेज पूरे हो जाएंगे, तब दिखाइएगा और फिर कार्यालय लौट गईं। इसी बात से महिलाओं ने खुद को अनसुना और उपेक्षित महसूस किया। उनका कहना था कि वे सुबह से भूखी-प्यासी बैठी थीं और कलेक्टर ने बिना बातचीत किए वापस लौटकर उनका अपमान किया।

- नारेबाजी और हंगामा

कलेक्टर के लौटते ही महिलाएं नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में उतर आईं। "कलेक्टर मैडम बाहर आओ", "हमसे बात करो", जैसे नारे गूंजने लगे। स्थिति को बिगड़ता देख आजीविका मिशन और राजस्व विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और महिलाओं को समझाने का प्रयास किया।

- राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप

बात नहीं बनने पर जिला पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते और भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम स्वयं मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिलाओं से बातचीत कर उन्हें शांत किया। अंततः कुछ महिला प्रतिनिधि कलेक्टर के चैंबर में जाकर उनसे मिले।

कलेक्टर नेहा मारव्या ने कहा,"आज मेरा महिलाओं से सीधे संवाद का कोई निर्धारित कार्यक्रम नहीं था। आजीविका मिशन के अधिकारियों के आग्रह पर मैं वहां पहुंची थी। जब कुछ महिलाएं आवश्यक दस्तावेज नहीं लाई थीं, तो मैंने उन्हें पूर्ण दस्तावेज़ लाने को कहा।

महिलाओं ने मानी अपनी भूल

कलेक्टर से मिलने के बाद बाहर आई महिला अनुसुइया ने बताया, "हमें मिशन के अधिकारियों ने मैसेज भेजा था, लेकिन जानकारी पूरी स्पष्ट नहीं थी। इस वजह से हम गलतफहमी में आ गए और हमें लगा कि कलेक्टर ने हमारी बात नहीं सुनी। अब सारी बात स्पष्ट हो गई है।"

इनका कहना है,,

"आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित समूहों का रिकॉर्ड ब्लॉक और जिला स्तर पर सुव्यवस्थित नहीं है। समूहों का रिकॉर्ड दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इन समूहों को पारदर्शी, जवाबदेह और सशक्त बनाया जाएगा।"

नेहा मारव्या, कलेक्टर डिंडोरी

खरगोश दिखाने के बहाने ले जाकर किया था घिनौना कृत्य, पॉक्सो कोर्ट ने सुनाया आजीवन कारावास

डिंडौरी न्यूज। डिंडौरी जिले की पॉक्सो कोर्ट ने आदिवासी समुदाय की एक नाबालिग बालिका से दुष्कर्म करने के मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही सात अलग-अलग धाराओं के तहत कठोर सजा और जुर्माने से भी दण्डित किया गया है।

- **ये है पूरा मामला**- घटना 11 नवम्बर 2023 की है। थाना गाड़ासरई क्षेत्र के एक गाँव में एक आदिवासी परिवार की नाबालिग बालिका घर के बाहर खेल रही थी। उसकी माँ रसोई में चाय बना रही थी और पिता सो रहा था। इसी दौरान गाँव का ही आरोपी मोहम्मद रहमान कुरैशी उर्फ चांद (28 वर्ष), निवासी गोरखपुर, बालिका को "खरगोश दिखाने" के बहाने अपने घर ले गया।बाद में जब बालिका नहीं दिखी, तो परिजन घबरा गए और खोजबीन शुरू की। पूछताछ पर सास ने बताया कि चांद उसे लेकर गया है। कुछ समय बाद गाँव के लोग बालिका को लेकर आए और बताया कि आरोपी ने उसे अपने घर में बंद कर उसके कपड़े उतारे और उसके साथ अश्लील हरकतें करते हुए दुष्कर्म किया।

पुलिस एवं अभियोजन की कार्यवाही सराहनीय कार्यवाही

परिजनों की रिपोर्ट पर गाड़ासरई थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए **FIR** दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा की गई विवेचना में जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।मीडिया सेल प्रभारी एवं अभियोजन अधिकारी श्री मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि विशेष न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों और अभियोजन की प्रभावी दलीलों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए कठोर दंड सुनाया।

न्यायालय ने सुनाई गई सजा - विशेष न्यायाधीश श्री कमलेश कुमार सोनी (पॉक्सो कोर्ट, डिण्डौरी) द्वारा आरोपी को निम्नानुसार सजा सुनाई गई:**IPC** धारा 363 (अपहरण): 03 वर्ष कठोर कारावास व 1000 अर्थदंड
IPC धारा 366 (बहला-फुसलाकर ले जाना): 05 वर्ष कठोर कारावास व 1000 अर्थदंड **IPC** धारा 342 (अवैध रूप से रोकना): 01 वर्ष कठोर कारावास व 1000 अर्थदंड **IPC** धारा 376**AB** (12 वर्ष से कम उम्र की लड़की से बलात्कार): 20 वर्ष कठोर कारावास व 10000 अर्थदंड पॉक्सो अधिनियम धारा 5(**m**)/6: 20 वर्ष कठोर कारावास व 10000 अर्थदंड **SC/ST** एक्ट धारा 3(2)(**V**): आजीवन कारावास।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की हुई सुनवाई

डिंडौरी।

कलेक्टर मारव्या ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनी। आवेदकों द्वारा विभिन्न समस्याओं से संबंधित 62 आवेदन प्रस्तुत किये गए जिनका त्वरित निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का निराकरण नहीं हो पाया उनके लिए आवेदकों को समय सीमा दी गई। आज जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर रामबाबू देंवागन सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में ग्राम मोहदा निवासी आवेदिका नानवती बाई आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि पिछले 5-6 महीनों से स्वतः ही उनका बीपीएल से नाम हटा दिया गया है, जिससे उन्हें राशन नहीं मिल रहा है। आवेदिका ने पुनः अपना नाम पुनः बीपीएल में जुड़वाने की मांग की। कलेक्टर मारव्या ने संबंधित अधिकारी को उक्त प्रकरण पर उचित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार बताया

आवेदिका संयोगिता सोनी ने अपनी जमा की गई ओडीओपी योजना की धनराशि को वापस दिलवाने की मांग की है। आवेदक अरविंद कुमार द्वारा जल परिवहन के भुगतान में 11 माह की देरी की शिकायत करते हुए शीघ्र भुगतान कराने की मांग की। ग्राम पंचायत भर्राटोला के ग्रामीणों ने पंचायत भवन निर्माण हेतु स्थान परिवर्तन की माँग की। उनका कहना है कि भवन निर्माण की पुरानी जगह पर निर्माण कार्य संभव नहीं है, जिससे ग्राम विकास में रुकावट आ रही है। आवेदक नीलेश कुमार सोनी ने पीएम आवास योजना की दूसरी किस्त नहीं मिलने पर किस्त की राशि भुगतान कराने की मांग की। अजय कुमार सोंधिया ने ग्राम रोजगार सहायक एवं सचिव पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उनका आरोप है कि जॉब कार्ड में हेराफेरी कर कार्यों को पूर्ण दिखाया गया और राशि जीआरएस के साथ मिलकर हड़प ली गई। वहीं ग्राम चाँदवानी के चेतराम ने पटवारी पर गलत रिकॉर्डिंग और नक्शा बदलने का आरोप लगाया, जिससे उनकी फसल पर अन्य लोगों ने कब्जा कर लिया। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने जनसुनवाई में प्राप्त उक्त सभी आवेदन पत्रों का प्राथमिकता से निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया। साथ ही आवेदनों का निराकरण कर आवेदकों को सूचित करने को कहा।

जनसुनवाई में आज राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग और खाद्य आपूर्ति विभाग से संबंधित पेयजल, भूमि सीमांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना, उपचार सहायता आदि के संबंध में आवेदन प्राप्त हुए।

करंजिया जनपद पंचायत के इंजीनियर पर मनमानी के आरोप

सरपंचों ने कलेक्टर से की शिकायत

डिंडौरी।

करंजिया जनपद पंचायत में पदस्थ सब इंजीनियर फिरोज खान पर गंभीर आरोप लगाते हुए जनपद क्षेत्र के दर्जनों सरपंचों ने मंगलवार को कलेक्टर नेहा मारव्या सिंह से मुलाकात की। सरपंचों ने आरोप लगाया कि इंजीनियर की मनमानी के कारण पंचायतों के विकास कार्य बाधित हो रहे हैं।शिकायतकर्ताओं में जिला पंचायत सदस्य ज्योति प्रकाश धुर्वे सहित कई सरपंच शामिल थे। सरपंच संघ के अध्यक्ष अभय परस्ते ने बताया कि इंजीनियर फिरोज खान निर्माण कार्यों में टीएस टेक्निकल सैंक्शन

देने में जानबूझकर देरी करते हैं, वहीं कार्यों के मूल्यांकन में भी अनियमितताएं बरती जाती हैं। इसके चलते 15वें वित्त आयोग की राशि का प्रभावी उपयोग नहीं हो पा रहा है।परस्ते ने आगे कहा कि इंजीनियर पंचायत प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं और बार-बार धमकी भी देते हैं। निर्माण कार्यों के स्थल चयन से लेकर प्राक्कलन तैयार करने तक, हर स्तर पर सरपंचों को परेशान किया जाता है।कलेक्टर नेहा मारव्या सिंह ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी के विरुद्ध उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है। शिकायत दर्ज करवाने वालों में रुक्मणि मरावी, रामेश्वरी मार्को, सरस्वती मरकाम समेत कई सरपंच उपस्थित थे।

पानी की समस्या से जूझ रही नव-निर्मित आवासीय कॉलोनी, कर्मचारी रहने को तैयार नहीं

गंगापुर गांव की स्वास्थ्यकर्मी कॉलोनी दो साल से खाली, जर्जर हो रहे भवन

डिंडौरी।

जिला अस्पताल के कर्मचारियों के लिए गंगापुर गांव में नर्मदा नदी के किनारे बनाई गई आवासीय कॉलोनी दो साल बाद भी वीरान पड़ी है। पानी की समस्या के चलते कोई भी कर्मचारी यहां रहने को तैयार नहीं है, जिससे करोड़ों की लागत से बने भवन अब जर्जर होने लगे हैं।वर्ष 2023 में मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा बनाए गए 1 ई, 6 एफ और 8 जी टाइप के आवास पूर्ण कर स्वास्थ्य

विभाग को सौंप दिए गए थे। बावजूद इसके कोई भी स्वास्थ्यकर्मी इन भवनों में निवास नहीं कर रहा।

इस संबंध में जब मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. रमेश मरावी से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि कॉलोनी में पानी की सुविधा नहीं होने के कारण कर्मचारियों को वहां भेजना संभव नहीं हो पाया है। दो बार ट्यूबवेल खनन कराने के प्रयास किए गए, लेकिन पानी नहीं निकला। अब वैकल्पिक व्यवस्था तलाशने की कोशिश की जा रही है।इधर, विभाग के एक्सक्यूटिव इंजीनियर ने भी स्पष्ट किया कि भवन पूर्ण कर सौंप दिए गए हैं, अब यदि कोई नहीं रह रहा तो उसमें विभाग क्या कर सकता है। सवाल ये उठता है कि करोड़ों की लागत से बनी कॉलोनी की देखभाल कौन करेगा और कब तक ये यूं ही जर्जर होती रहेगी?

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा का शुभारम्भ, रैली निकालकर दी पोषण की जानकारी

डिंडौरी।

आंगनवाड़ी केंद्र समनापुर में मंगल दिवस मनाकर राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर जन जागरूकता बढ़ाने के लिए रैली का आयोजन किया गया,जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, महिलाओं, बच्चों और उनके अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से पोषण, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी जानकारियाँ दी गईं। कार्यक्रम में जनपद पंचायत के सीईओ सी.पी. साकेत, सीडीपीओ अयोध्या सिंह राठौड़, पर्यवेक्षक

चंद्रकांता सहित अन्य अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

अधिकारियों ने अपने संबोधन में संतुलित आहार, स्तनपान और कुपोषण से बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला तथा समुदाय से इस अभियान को सफल बनाने की अपील की। कार्यक्रम का उद्देश्य जन-जन तक पोषण का संदेश पहुँचाना और स्वस्थ समाज की दिशा में कदम बढ़ाना रहा। इस प्रकार पोषण पखवाड़ा की शुरुआत सामुदायिक सहभागिता और जागरूकता के संदेश के साथ सफलतापूर्वक की गई।

महिला को डायल 100 ने अस्पताल पहुंचाकर बचाई जान

अनूपपुर। अनूपपुर के थाना कोतमा क्षेत्र में जमगाँव में एक महिला ढुलारी बाई चौधरी पति मनोज कुमार उम्र 35 वर्ष ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में 8 अप्रैल को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल कोतमा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक महेश साहू एवं पायलेट वीरेंद्र कुमार ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते एक महिला ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था । डायल-112/100 जवानों ने पीड़ति महिला को एफ आर व्ही वाहन से परिजन के साथ ले जाकर शासकीय अस्पताल कोतमा अस्पताल में भर्ती करवाया जहाँ पीड़ति महिला का उपचार किया जा रहा है ।

अनुज उइके का नवोदय विद्यालय में चयन, किसलपुरी में खुशी की लहर

डिंडौरी।

वर्ष 2024-25 के लिए शासकीय एकीकृत बालक माध्यमिक शाला किसलपुरी से अनुज उइके का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय में होने पर समस्त ग्रामवासियों एवं विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। इस उपलब्धि पर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार मिश्रा, सरपंच उषा बनवासी, उपसरपंच विनोद पाठक, ग्रामवासी एवं समस्त शिक्षकों ने अनुज को शुभकामनाएं दीं और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक पवन कुमार साहू व समस्त शिक्षक स्टाफ द्वारा चयनित छात्र अनुज उइके को स्मृति चिन्ह व पुष्पगुच्छ भेंट कर

सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि शासकीय बालक माध्यमिक शाला किसलपुरी से पिछले कुछ वर्षों से लगातार छात्र-छात्राओं का नवोदय विद्यालय में चयन हो रहा है। वर्ष 2022-23 में कुमारी कल्याणी यादव, 2023-24 में कुमारी शिवांगी चौरसिया एवं अब 2024-25 में अनुज उइके का चयन इस श्रंखला को आगे बढ़ा रहा है। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक पवन साहू के नेतृत्व में विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन, खेलकूद एवं समग्र विकास में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उनके द्वारा किए गए बागवानी, विद्यालय की साज-सज्जा, विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था एवं शिक्षण व्यवस्था की हर ओर सराहना हो रही है। ग्रामवासियों का मानना है कि साहू की मेहनत और समर्पण के कारण ही विद्यालय के छात्र विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, बुधवार 9 अप्रैल 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

डोभी में निकाली गई शोभायात्रा

डोभी । विगत दिवस सिद्ध पीठ शिवालय मंदिर पर नवरात्रि के अवसर पर स्थापित 51 मनोकामना ज्योति कलश जवारे विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। जिसमे नगर के सभी श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शिवालय मंदिर से बैंड बाजों के साथ निकली शोभायात्रा बाखर मुहल्ला से होते हुए खेरापती मंदिर पहुंची रास्ते मे जगह जगह स्वागत हुआ । कलश जवारे का पं महेश शर्मा द्वारा विधि पूर्वक पूजन अर्चन के साथ विसर्जन किया गया।

श्री राधा बल्लभ वेयरहाउस में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी हुई शुरू

तेंदूखेड़ा। गाडरवारा सड़क मार्ग पर उमरपानी स्थित श्री राधा बल्लभ वेयर हाउस में मंगलवार से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी प्रारंभ तौल कांटे की विधिविधान से पूजन अर्चन कर तुलाई प्रारंभ की गई 7अप्रेल से गेँहू की खरीदी प्रारंभ हो गए है । समिति प्रबंधक ने फूल मालाओं से स्वागत कर गेँहू की तुलाई प्रारंभ की ।राधा बल्लभ वेयरहाउस में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी सेवा सहकारी तेंदूखेड़ा समिति एवं सर्रा समिति द्वारा की जा रही है । समिति प्रबंधक ने किसान भाइयों से अपील की है कि वह अपना अपना गेँहू समय पर खरीदी केंद्र लेकर आये जिससे खरीदी तौल में परेशानी का समाना न करना पड़े ।

दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामीणों को जल के महत्व को बताने और जल संरक्षण व संवर्धन के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से दीवार लेखन का कार्य जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को जागरूक कर जल का सदुपयोग करने और उसके महत्व के बारे में बताया जा रहा है। इसी क्रम में जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में परिषद की विकासखंड सांईखेड़ा के ग्राम बिछुआ में दीवार लेखन का कार्य किया गया। शासकीय भवनों, दीवारों में स्लोगन के माध्यम से ग्रामीणों को जल का महत्व बताया गया। नवांकुर संस्था बिछुआ के अध्यक्ष महेश कुमार व सचिव बहादुर केवट ने बताया कि 30 जून तक चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान दीवार लेखन, जल चौपाल, संगोष्ठी आदि के माध्यम से ग्रामीणों को जल का महत्व बताया जा रहा है।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

किसान हित में संचालित योजनाओं का मिले लाभः सांसद

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। केन्द्र एवं राज्य सरकार किसानों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है, इन योजनाओं का लाभ किसानों को मिले। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में किसानों को मिलने वाली राशि उन्हें मिले। इसके अलावा किसानों को अन्य योजनाओं का लाभ मिले। बोहानी गन्ना अनुसंधान केन्द्र एवं संजय निकुंज में गन्ने के बीज की उपलब्धता रहे। वर्तमान में यहां और क्या सुधार हो सकता है। इस पर मंथन कर इसे बेहतर एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने का प्रयास हो। उक्त आशय के निर्देश सांसद चै. दर्शन सिंह ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति- दिशा की कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में दिये।

अधिकारियों को दिये निर्देश

बैठक में सांसद श्री सिंह ने नल- जल योजना, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पीएम जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, गेहूं उपार्जन, स्वच्छ भारत मिशन, महिला एवं बाल विकास विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग आदि से संबंधित सरकार की योजनाओं, उनके क्रियान्वयन की प्रगति, अन्य कार्यक्रमों व अभियानों सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक की शुरूआत पिछली दिशा बैठक के कार्यवाही विवरण व पालन प्रतिवेदन के चर्चा के साथ की गई। बैठक में सांसद श्री सिंह ने कहा कि किसानों को फसल सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के साथ- साथ नहरों की मरम्मत और उनके रखरखाव पर ध्यान दिया जाये। यह सुनिश्चित करें कि जिले की नहरों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचें। जिले में अमानक खाद, बीज, उर्वरक विक्रय करने वालों के खिलाफ मुहिम चलाकर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये। गेहूं उपार्जन की समीक्षा के दौरान उन्हें अवगत कराया गया कि पंजीकृत किसानों से ही एफएक्यू वाले गेहूं की खरीदी उपार्जन केन्द्रों पर हो रही है। जिले में पहली बार तुअर फसल के उपार्जन के लिए पंजीयन का भी कार्य हो रहा है। सांसद श्री सिंह ने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन करवायें।

पेयजल समस्या का करें निराकरण

नल- जल योजना की समीक्षा के दौरान पीएचई विभाग को निर्देश दिये कि नागरिकों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। ग्रीष्म काल को मद्देनजर रखते हुए पेयजल संबंधी समस्या के निराकरण के लिए कॉल सेंटर स्थापित करें, जिसमें कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाये। विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को पर्याप्त बिजली मिले। ट्रांसफार्मर की पर्याप्त उपलब्धता रहे। पशुपालन विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी का व्यापक प्रचार- प्रसार सुनिश्चित किया जाये। वर्तमान में प्रदेश सरकार ने दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए दुग्ध उत्पादकों को प्रति लीटर 5 रुपये बोनस देने की घोषणा की है। सांसद श्री सिंह ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि सम्पर्कता सर्वे की जानकारी जनप्रतिनिधियों को प्रदान की जाये। साथ ही प्रयोग के तौर पर एक मोबाइल नंबर जारी करें, जिससे सड़कों से संबंधित शिकायतें मिलने पर उनका समाधान किया जा सके। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण और पीएम जनमन योजना के अंतर्गत निर्मित किये जाने वाले आवासों की वर्तमान प्रगति की जानकारी भी ली।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत जिले में नर्मदा नदी के किनारे स्थित घाटों के समीप सामुदायिक शौचालय और महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम भी हो। स्वच्छता लोगों का स्वभाव बनें, इसके लिए समाज और सरकार को एक साथ आना होगा। इंदौर शहर पूरे भारत में अपनी स्वच्छता में नंबर वन बना है। यह एक मिसाल है। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान सांसद श्री सिंह ने निर्देश देते हुए कहा कि जो आंगनबाड़ी केन्द्र किराये के भवनों में संचालित हो रही हैं, उनके प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजे जायें। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, विधायकद्वय विश्वनाथ सिंह पटेल व महेन्द्र नागेश, रामसनेही पाठक, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष सहित समिति के सदस्य, अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार और संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

खेलो बढ़ो अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले मे खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी बनाना व नई पीढ़ी को खिलाड़ी बनाना के संकल्प की सिद्धि के लिए खेलो बढ़ो अभियान योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के द्वारा आगामी ओलंपिक खेलों को दृष्टिगत रखते हुए युवाओं एवं छात्रों को खेलों जो जोड़ने एवं जीवन में खेलो के महत्व की जानकारी देने हेतु उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में खेल विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य जी एस पटेल, मनीष कटारे द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत खेलों में रुचि रखने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को छात्र छात्राओं से संवाद कर कार्यक्रम में प्रोत्साहित किया। शाकिर हुसैन, विकास शर्मा, विभु शुक्ला ने खिलाड़ियों को संबोधित कर खेलों के महत्व एवं जिले में होने वाले खेलों की जानकारी दी एवं छात्रों को खेलों से जुड़ने हेतु आव्हान किया। जिसमें विद्यालय के खेल शिक्षक विजय सेन निशा मिश्रा गीता विश्वकर्मा, मीना श्रीवास्तव शामिल रहे।

कलेक्टर ने किया गेहूं उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने नरसिंहपुर तहसील के अंतर्गत चौकसे वेयर हाउस सेवा सहकारी संस्था सिंहपुर और मंडी नरसिंहपुर के बृहत्ता सेवा सहकारी संस्था गेंहू उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण मंगलवार को किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उर्पाजन की व्यवस्थायें देखी और आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने यहां पंजीकृत किसानों की संख्या, उनके द्वारा की गई स्लॉट बुकिंग, रेडी टू ट्रांसपोर्ट, परिवहन, स्वीकृति पत्रक और भुगतान वितरण की जानकारी ली। कलेक्टर ने गुणवत्ता नियंत्रक को निर्देश देते हुए कहा कि वे शासन द्वारा निर्धारित मापदंड के अनुसार ही एफएक्यू गुणवत्तायुक्त गेहूं का ही उपार्जन किया जाये। खरीदी केन्द्रों में स्लॉट बुकिंग के अनुसार ही खरीदी की जाये। उन्होंने मौके पर गेहूं का सैंपल भी देखा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाये कि तुलाई के बाद बिलिंग हो जाये, ताकि किसानों को भुगतान की प्रक्रिया की जा सके। कलेक्टर श्रीमती पटले ने किसानों के लिए उपार्जन केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें, किसानों को बैठने, पेयजल, छाया, पंखा आदि सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने कहा कि विक्रय के लिए उपज लेकर आने वाले किसानों को किसी प्रकार की तरह कोई परेशानी नहीं होनी चाहिये। चौकसे वेयर हाउस में बताया गया कि अभी तक 2 हजार 95 क्विंटल गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। वहीं मंडी वेयर हाऊस में 2 हजार 162 क्विंटल गेहूं उपार्जित किया गया है।

हनुमान जन्मोत्सव पर होंगे विविध कार्यक्रम भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बल, बुद्धि और मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाले श्री राम भक्त श्री हनुमान जन्मोत्सव नगर में 12 अप्रैल को पूर्व की भांति इस वर्ष भी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनायी जायेगी। नगर के धार्मिक स्थलों व श्री हनुमान मंदिरों में जन्मोत्सव को मनाये जाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। जन्मोत्सव दिवस पर विविध पूर्जन अर्जन के साथ रामायण पाठ,सुदरकाण्ड पाठ, हनुमान चालीस, हवन-पूर्जन, अभिषेक, उपवास, महाआरती, चोला वंदन, भंडारा, प्रसाद वितरण अन्य धार्मिक कार्यक्रम किये जायें। इस अवसर पर शोभा यात्रा भी निकाली जावेगी जो नगर के मुख्य मार्गो में भ्रमण करेगी। मुख्य रूप से गुदरी स्थित हनुमान मंदिर, कृष्ण व राममंदिर, बाबा घाट कृष्णा वार्ड में पंचमुखी हनुमान मंदिर, स्टेशन चैकी स्थित हनुमान मंदिर, गया दत्त वार्ड में राम मंदिर स्थित हनुमान मंदिर, रौंसरा हनुमान मंदिर, सिद्ध के झिरना हनुमान मंदिर,बरगी रेल्वे फाटक हनुमान मंदिर, चरहाई हनुमान मंदिर, इंद्रा वार्ड में हनुमान मंदिर, नगरपालिका चैरहा हनुमान मंदिर, सिविल कोर्ट, तहसील परिसर, सिंचाई कालोनी, थाना प्रागंण स्थित, पीएचई कार्यालय, वनविभाग, अनगढ़ मंदिर, बड़ेपूल के पास, नरसिंह वार्ड स्थित मनोकामनेश्वर मंदिर, नसिंह मंदिर, झिरना स्थित, सदर मढिया, जरजोला रोड स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर जी में आयोजन होगें। श्री हनुमान जयंती के अवसर पर होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों में उपस्थित होकर धर्म-लाभ अर्जित करने की अपील मंदिर समितियों ने की है।

प्रणाम उस जन्मभूमि को जिसने मुझे संस्कारित किया: श्रीधर

सम्मान समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बोहानी वह संस्कार भूमि है जिसने मेरे जैसे हजारों लोगों को संस्कारित किया है। केवल बोहानी ही नहीं, पूरे इलाके का हर वह व्यक्ति मालक दादा चैधरी राघव सिंह का ऋणी है, जिसने उनकी महान दानवीरता के स्मारक विद्यालय में शिक्षा पाई है। मैं अपनी जन्मभूमि को सादर नमन करता हूं। उक्त उद्गार पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर ने बोहानी में आयोजित उनके सम्मान समारोह के दौरान व्यक्त किए। सम्मान समारोह का आयोजन श्री श्रीधर को हिंदी जगत के सर्वोच्च सम्मान साहित्य वाचस्पति की उपाधि से अलंकृत होने के उपलक्ष में किया गया था। विद्यार्थियों की जिज्ञासा को देखते हुए उन्होंने पत्रकारिता के अपने दीर्घ अनुभवों को साझा किया। पौराणिक संदर्भों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि देवर्षि नारद को खबरों का आदि संचारक कहा जाता है। लेकिन यह ध्यान रखे जाने की आवश्यकता है कि संचारक के मन में हमेशा लोकमंगल का भाव होना चाहिए, जो नारद जी में था। महाभारत के संजय का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संजय पल-

पल की सूचनाएं अपने स्वामी को दे रहे थे,लेकिन सीखने की बात यह है कि इन सूचनाओं में उन्होंने अपनी तरफ से कोई मिलावट नहीं की। सूचनाओं का संप्रेषण उन्होंने जस का तस किया। सूचना क्रांति के आज के दौर के खतरों के प्रति आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि सूचना एकत्रित करते समय अत्यंत सावधानी रखी जानी चाहिए। सोशल मीडिया पर प्रसारित हर जानकारी सही हो, यह जरूरी नहीं है। किताबों की सर्वकालिक उपयोगिता प्रतिपादित करते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान का सर्वश्रेष्ठ माध्यम हमेशा से किताबें ही रही हैं, और आगे भी रहेंगी। डॉ अनंत दुबे ने विद्यार्थियों को पर्यावरण प्रदूषण के खतरों के प्रति आगाह किया। इसके पूर्व पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बोहनी के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया एवं विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। ग्राम बोहानी की सरपंच श्रीमती किरण शर्मा ने आभार प्रदर्शित किया।

54 घट कलश जवारों की निकाली गई विशाल शोभायात्रा

तेंदूखेड़ा। शक्ति साधना के महापर्व चैत्रीय नवरात्र पर्व की समूचे क्षेत्र में धूमधाम बनी रही। नवरात्रि के दौरान जगह जगह जवारे कलश की स्थापना की गई थी।जिसे लेकर मातारानी के दरबारों में सुबह से ही श्रद्धालु जल चढ़ाने से लेकर भगते देवी गीत जस से लेकर रात्रि में संगीतमय आरतियो में शामिल हुए। नौ दिनों तक उत्साह धार्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं द्वारा यथा सामर्थ्य के अनुसार मातारानी की आराधना की गई। किसी ने नौ दिन तक व्रत रखकर तो कोई नंगे पैर मातारानी की साधना में लीन रहा। क्षेत्र के प्रतिष्ठित कंकाली मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना-जाना प्रारंभ हो गया था पूरे दिन मातारानी की पूजन अर्चन का कार्यक्रम चलता रहा। यहां पर स्थापित किए गए 54 घट कलश जवारो की मंदिर प्रांगण से एक विशाल शोभायात्रा ग्राम के मुख्य मार्गो से भ्रमण करती हुई खेरापति दरबार पहुंची। शोभायात्रा में व्रत रखने वाली महिलाओं और युवतियों के सिर पर घट कलश रखने का उत्साह देखा गया एवं मातारानी के आशीर्वाद से जिन श्रद्धालुओं की मुरादें पूर्ण हुई है। उन श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर प्रांगण से खेरापति दरबार तक सरें भर कर मातारानी की उपासना की गई। शोभायात्रा में शेर काली के रूप में आए बाहर से कलाकारों द्वारा मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति जनाकर्षण का केंद्र बनीं रही। खेरापति मंदिर में पूजन अर्चन के साथ समीपी बरांझ नदी में आस्था विश्वास के साथ जवारो का विसर्जन किया गया। मंदिर समिति द्वारा श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर समिति संरक्षक तेजराम पंडा ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी लोगों का अच्छा खासा सहयोग समिति को प्राप्त हुआ है। और पूरे नौ दिनों तक सेवा आराधना की गई।

नारी जाति की रक्षा और सम्मान करने का समय

तेंदूखेड़ा । भगवान ने पृथ्वी पुत्र भौमासुर को परास्त करके जेल में कैद 16108 राजकुमारियों को मुक्त कराया एवं निवेदन किया कि अपने घर एवं पिता का पता बताइए परन्तु सभी ने श्री कृष्ण से कहा हम स्त्री जाती मर्यादा के बंधन में रहती हैं ।आपने इस दुष्ट से हमारी रक्षा की हम आपको पति रूप में स्वीकार करती है ।आप हमें स्वीकार नहीं करेंगे तो हम आत्महत्या करेंगे या कुमार्ग पर चले जाएंगे तो भगवान ने उनके हित के लिए विवाह स्वीकार कर स्त्री के सम्मान का संदेश दिया। उक्त अमृत वचन समीपी ग्राम टेकापार में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के दौरान रुकमणी विवाह और सुदामा चरित्र पर भागवत किंकर उपाधि से अलंकृत पं कृष्णकांत शास्त्री के द्वारा श्रोताओं के बीच रखे। कथा व्यास ने कहा कि आज भारत में सभी जगह आए दिन दुखद समाचार मिलते हैं। छोटी-छोटी सी अबोध बेटियों के साथ कुकृत्य हो रहे है ।उनकी हत्या कर दी जाती है । श्री कृष्ण का यह चरित्र हमें स्त्री के सम्मान नारि जाति की रक्षा की प्रेरणा देता है ।आज देश के सभी वर्ग के लोगों समाजों को मिलकर एक जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता है ।एक ऐसा कानून बने जो पापी ऐसा कार्य करे उसको जनता के बीच में मौत की सजा देनी चाहिए । जबतक कठोर दंड नहीं दिये जायेंगे तब तक ऐसी घटनाएं होती रहेगी ।

सुदामा चरित्र सुनकर रो पड़े श्रोता

कथा व्यास पं कृष्णकांत शास्त्री ने बताया कि सुदामा जी का जीवन हमें समर्पण और निष्ठा सिखाता है। जीवन की कोई भी परिस्थित हो ईश्वर पर विश्वास हमें सदैव दुखों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है।सुदामा और श्री कृष्ण की मित्रता बताती है जीवन में एक मित्र ऐसा जरूर होना चाहिए जो हमारे सुख में साथ हो या न हो परन्तु दुख में साथ रहे आजकल हमारे दोस्त मित्र तो बहुत है जो सुखों में तो साथ हैं परंतु दुख की घड़ी में दो लोग मिलना भी मुश्किल हो जाता है। बुरे समय में जो साथ दे वही सच्चा मित्र है। जो हमारे दुख को अपना दुख समझे सुदामा जी ने चने चोरी से नहीं खाए बल्कि इसलिए खाए क्योंकि उन चनों को दुर्वासा जी का श्राप था कि जो खायेगा वो दरिद्र हो जाएगा सुदामा ने सोचा कि श्री कृष्ण ने खाए तो दरिद्र हो जाएगा मेरे रहते मेरा मित्र दुखी दरिद्र हो तो मित्रता किस काम की धन्य है सुदामा कृष्ण कि मित्रता आज ऐसे मित्रों की जरूरत है। कथा व्यास ने स्पष्ट किया कि राम कथा जीवन जीना सीखती है तो भागवत कथा मरने की कला सीखती है लोग रोज मृत्यु को प्राप्त होते हैं दुखी होकर रोकर जाते हैं पर निश्चिंत होकर मुस्कुराते हुए ईश्वर का धन्यवाद करते हुए जीवन की अंतिम श्वास लेते हुए जाना भागवत सीखती है ।

सरपंच सचिव की मिलीभगत से गुणवत्ता को ताक पर रख कर बन रहा पंचायत भवन

तेंदूखेड़ा । एक तरफ शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास की दिशा में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से निर्माण कार्य चलाये जा रहे हैं। लेकिन इन निर्माण कार्यों में जवाबदार पक्षों द्वारा ही कोताही बरतने के साथ निर्माण एजेंसियों को ही बदलकर मनमानियां बरती जा रही है।जिसका जीता-जागता उदाहरण चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत बन रहे नये पंचायत भवनों की गुणवत्ता को मौके पर जाकर देखा सुना जा सकता है। स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महती भूमिका निभाने वाले ग्राम ढिलवार का उदाहरण देख लिया जाये तो यहां पर शासन ने राशि देने में कहीं कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन योजनाओं को क्रियान्वित करने वाले पक्षों द्वारा इस राशि का जमकर दोहन किया है। धरातल पर आज भी कोई भी योजना का लाभ यहां के लोगों को नहीं मिल पा रहा है। चूंकि यह सब गतिविधियां विकास खंड अधिकारियों की मिली भगत से ही जारी है।पिछले दिनों जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा फटकार लगाने के बाबजूद भी सुधार नहीं हो पाना सोचनीय विषय बना हुआ है। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार ढिलवार में नया पंचायत भवन निर्माण होना है। लगभग 37 लाख रुपए की राशि से यह भवन बनना है। इसमें कुछ राशि जिलापंचायत फर्नीचर व्यवस्था को बाद में

शेष राशि जारी करेगी तथा शेष राशि से भवन निर्माण करवाया जाना है। लेकिन यहां पर जमीनी हकीकत कुछ और ही है।

ग्राम पंचायत सदस्यों ने विरोध दर्ज कराया

ढिलवार पंचायत में चल रही सचिव सरपंच की मनमानी से असंतुष्ट होकर और हिसाब किताब में गड़बड़ झाला को देखते हुए सभी सदस्यों ने विरोध दर्ज कराया था। आनन-फानन केश बुक तैयार कर किसी भी तरह प्रस्तुत करने की कोशिश की गई फिर भी सदस्य संतुष्ट नहीं हुये और होते भी कैसे लाखों रुपए पानी की तरह बह गये और धरातल पर फर्जी बिलों के सिबाय कुछ नहीं मिला था।अब जब ग्राम पंचायत भवन बनाये जाने का विषय

सामने आया तो सरपंच सचिव ने सांठगांठ करके निर्माण कार्य का जबाब देही किसी अन्य निजी हाथों में सौंप दी।

मापदंडों के आधार पर नहीं हो रहा निर्माण

सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि यहां पर रह देखने में आ रही है कि इस भवन की नींव के लिए खोदे गए गड्ढों की ही जांच और उसमें प्रयुक्त की गई सामग्री की जांच करा ली जाए तो पूरी वस्तुस्थिति ही सामने आ जायेगी लेकिन इसमें जब जवाबदार ही अधिकारियों से मिलकर काम कर रहे हैं तो शिकायत सुनेगा कौन और सुधार की बोलेगा कौन से ? ले आऊट से लेकर ऊपर लेंटर तक का फिक्सेशन हो चुका है।

उपमंत्री ने मौके पर जाकर निर्माण को बताया गलत

सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि तो यहां पर यह देखने को मिल रही है कि धरातलीय बीम में जिस तरह से लोहे को डाला जाना था वह यहां पर नहीं डाला गया है।जंग लगा लोहा उपयोग में लेकर जितनी राडें डाली जानी चाहिए थी वह भी नहीं डाली गई है। मौके पर पहुंचे उपयंत्री के द्वारा आपत्ति जताई है लिखित रूप से निर्देश भी दिए गए हैं फिर भी मनमानी के आगे सब कुछ बोना साबित हो रहा है।भवन में लाखों रुपए बचाने के चक्कर में आंख बंद करके सब चल रहा है। चूंकि यह केवल ढिलवार की कहानी है और भी ग्राम पंचायतों की स्थिति की जमीनी हकीकत सामने आयेगी।

इनका कहना है

निर्माण चल रहे भवन का मैंने मौके पर जाकर निरीक्षण किया है उसमें कमियां तो मिलीं है और कमियों को ठीक करने के लिए निर्माण कार्य करने वाले लोगों को बोला भी है। और लिखित में भी दिया है।

उमेश शर्मा
उपयंत्री चांवरपाठा